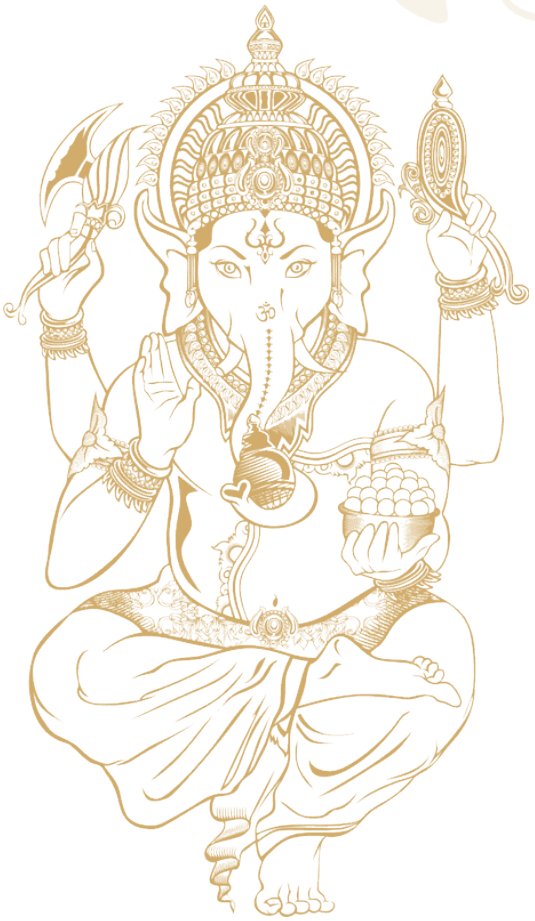

Jaat

25 Sep 1999

03:40 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121567508

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**24-25/09/1999**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**03:40:00 घंटे**
इष्ट	53:44:20 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:18:52 घंटे
वेलान्तर	00:07:45 घंटे
साम्पातिक काल	03:32:04 घंटे
सूर्योदय	06:10:15 घंटे
सूर्यास्त	18:16:00 घंटे
दिनमान	12:05:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	07:33:47 कन्या
लग्न के अंश	03:48:31 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	गण्ड
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीप्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	03:48:31	311:27:04	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	07:33:47	00:58:45	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	सम राशि
चंद्र			मीन	00:40:34	13:55:22	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
मंगल			वृश्चि	20:36:49	00:40:49	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	स्वराशि
बुध		अ	कन्या	20:17:50	01:37:03	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	स्वराशि
गुरु	व		मेष	09:35:56	00:05:45	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	28:21:16	00:27:44	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	22:44:55	00:02:38	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	18:07:28	00:06:19	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		मक	18:07:28	00:06:19	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:20:17	00:01:20	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:50:18	00:00:37	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	14:15:36	00:01:12	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			वृष	01:30:13	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:58

लग्न-चलित

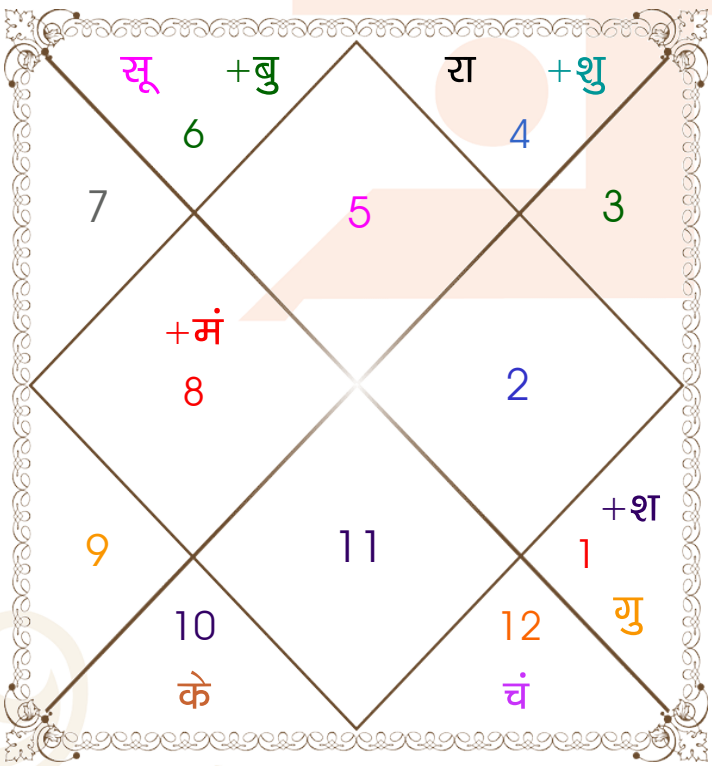

चन्द्र कुंडली

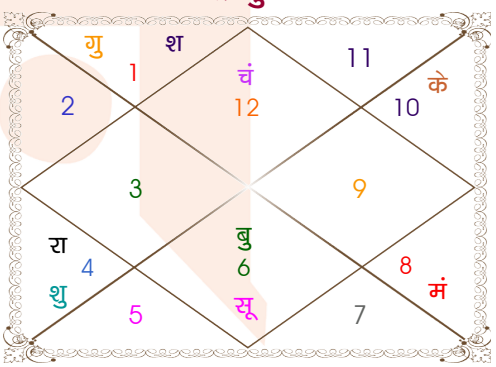

नवमांश कुंडली

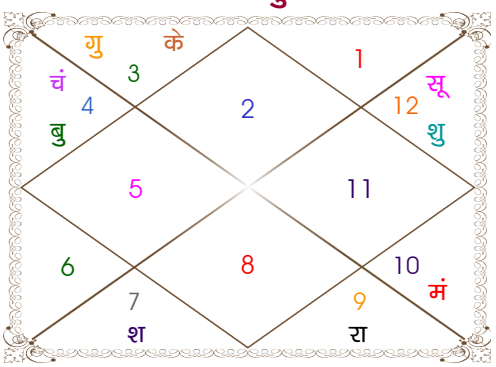

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 2 मास 8 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/09/1999		02/12/2002		02/12/2021		02/12/2038		02/12/2045	
02/12/2002		02/12/2021		02/12/2038		02/12/2045		02/12/2065	
	00/00/0000	शनि	05/12/2005	बुध	30/04/2024	केतु	01/05/2039	शुक्र	03/04/2049
	00/00/0000	बुध	14/08/2008	केतु	27/04/2025	शुक्र	30/06/2040	सूर्य	03/04/2050
	00/00/0000	केतु	23/09/2009	शुक्र	26/02/2028	सूर्य	04/11/2040	चंद्र	03/12/2051
	00/00/0000	शुक्र	23/11/2012	सूर्य	01/01/2029	चंद्र	06/06/2041	मंगल	01/02/2053
	00/00/0000	सूर्य	05/11/2013	चंद्र	03/06/2030	मंगल	02/11/2041	राहु	01/02/2056
	00/00/0000	चंद्र	06/06/2015	मंगल	31/05/2031	राहु	20/11/2042	गुरु	02/10/2058
	25/09/1999	मंगल	15/07/2016	राहु	17/12/2033	गुरु	27/10/2043	शनि	02/12/2061
मंगल	09/07/2000	राहु	22/05/2019	गुरु	24/03/2036	शनि	05/12/2044	बुध	02/10/2064
राहु	02/12/2002	गुरु	02/12/2021	शनि	02/12/2038	बुध	02/12/2045	केतु	02/12/2065

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
02/12/2065		03/12/2071		02/12/2081		02/12/2088		03/12/2106	
03/12/2071		02/12/2081		02/12/2088		03/12/2106		00/00/0000	
सूर्य	22/03/2066	चंद्र	02/10/2072	मंगल	30/04/2082	राहु	15/08/2091	गुरु	21/01/2109
चंद्र	20/09/2066	मंगल	03/05/2073	राहु	19/05/2083	गुरु	08/01/2094	शनि	04/08/2111
मंगल	26/01/2067	राहु	02/11/2074	गुरु	24/04/2084	शनि	14/11/2096	बुध	09/11/2113
राहु	21/12/2067	गुरु	03/03/2076	शनि	02/06/2085	बुध	03/06/2099	केतु	16/10/2114
गुरु	08/10/2068	शनि	02/10/2077	बुध	31/05/2086	केतु	22/06/2100	शुक्र	16/06/2117
शनि	20/09/2069	बुध	04/03/2079	केतु	27/10/2086	शुक्र	22/06/2103	सूर्य	04/04/2118
बुध	28/07/2070	केतु	03/10/2079	शुक्र	27/12/2087	सूर्य	16/05/2104	चंद्र	04/08/2119
केतु	02/12/2070	शुक्र	02/06/2081	सूर्य	03/05/2088	चंद्र	15/11/2105	मंगल	26/09/2119
शुक्र	03/12/2071	सूर्य	02/12/2081	चंद्र	02/12/2088	मंगल	03/12/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 1 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्न में हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर बृष राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इनके प्रभाव से यह स्पष्टत सूचना मिलती है कि आप पूर्ण रूपेण सुन्दर एवं आरामदायक उत्तम जीवन व्यतीत करेंगी। जीवन क्रम में कोई गम्भीर चिन्तनीय समस्याएं उत्पन्न नहीं होगी।

आप सिंह राशीय समन्वय की परिधि में आपका समय कोलाहलपूर्ण रहेगा। आप अन्तरात्मा से साहसिक प्रवृति की महिला है। आपको अपनी गतिशीलता से अप्रसन्नता प्राप्ति होती हैं। यदि आप निर्भयता पूर्वक सच्ची लग्न से व्यवसायिक कार्य प्रारम्भ करें तो आपको उत्तम एवं सन्तोषजनक फल प्राप्त होंगे। परन्तु आपके प्रभावशाली कार्य कलाप के सम्पादन पर आपके लाभ का अधिकांश भाग किसी भी परिस्थिति में व्यय करेंगी। आप चाहती है कि आपके परिवार के लोगों का पहनावा वस्त्रादि उत्तम रहें तथा आप इन वस्तुओं पर अच्छा धन व्यय करें। जिससे आपके घरेलू रहन सहन प्रभावशाली दिखाई दे। आप अपनी मित्र मण्डली के आमोद-प्रमोद एवं मिलन समारोह पर भी खूब व्यय करेंगी। आप सर्वथा धार्मिक आयोजनों पर तथा दान धर्म के कार्यो में अत्यन्त धन प्रदान करेंगी। परिणाम स्वरूप आप वृद्धावस्था में यह अनुभव करेंगी कि पूर्व में किया गया धन व्यय के कारण इस समय धन का बड़ा अभाव हुआ है। अतः इस प्रकार से अति मात्रा में धन व्यय पर नियंत्रण करें। अतः उत्तम तो यह है कि आप अपने धन की थैली का मुंह इस प्रकार नहीं खोले। मुख्यतः आपके जीवन का भाग्यशाली समय आपके 25 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा।

आपको आत्म विश्वास है कि मैं धनी तथा सर्व विद्या से परिपूर्ण हूँ। आप का व्यवहार बहुत अन्धाधुंध अर्थात् दुःसाहसपूर्ण है। आप अन्य विकल्प के पूर्व अपने कार्य व्यवसाय के सम्बंध में शीघ्र निर्णय ले। अतः आपको व्यवसायिक विषयों पर अपने मित्रों तथा शुभ चिन्तकों द्वारा अच्छी परामर्श ग्रहण करने की शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। वास्तव में आपको अपने निर्णय पर किसी भी प्रकार का गम्भीरतापूर्वक सामंजस्य न करे। यदि आप अपनी मद्यपान करने की मनोवृति में बदलाव नहीं ला सकी तो आपके जीवन में उच्चस्तरीय अभ्युदय युक्त विशेषतः अर्थहीन हो जाएगा।

यदि आप अपना पारिवारिक जीवन उत्तम प्रकार से व्यतीत करने की अभिलाषी हैं, तो आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने की अभ्यास करनी चाहिए। यदि आप अकस्मात आपने पारिवारिक सदस्यों पर कोघ्र प्रदर्शन कर अनुपयुक्त मतान्तरिक व्यवहार करती रही तो आपका प्रसन्नतम परिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। वास्तव में आप घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त कर सकती हैं। यथा आपके पति तथा आपकी प्यारी सन्तानें आपको हार्दिक स्नेह प्रदान कर सकती हैं बशर्ते कि आप भी उसके बदले में समान आदान प्रदान करती रहें। आपकी विपरीत योनि के प्रति जो प्रसिद्धि है, एक गम्भीर एवं चिन्तनीय है। जिस विषय पर आपको सतर्क रहना चाहिए। आपकी यह प्रवृति आपके पति को सशंकित करती है। आपको अपने जीवन संगी की आशंकाओं का विस्तारपूर्वक स्पष्टीकरण करना चाहिए। क्योंकि आप विपरीत योनि के सदस्यों द्वारा प्रसिद्ध एवं प्रभावशाली है। इसका यह अर्थ नहीं कि आप अपने

जीवन साथी के प्रति विश्वघात करेंगी।

आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप मुख्यतः एवं बृहत्कार कार्य कलाप करने की मनोवृति से युक्त हैं। आप अपने अधिनस्थ छोटे-छोटे कार्यों को कार्यान्वित नहीं करना चाहती हैं। आप स्थायी रूप से निगम (कारपोरेशन), कम्पनी तथा भूमि भवन-सम्बंधी कार्य बिन्दु को व्यवहृत करने के प्रति उपयुक्त है।

आप निश्चित रूप से सामान्यतया पूर्ण स्वस्थ रहेंगी। परन्तु आपको वृद्धावस्था के प्रति सावधानी बरतनी होगी क्योंकि ऐसा अवसर आ सकता है कि आपके रीढ़ की हड्डियों की परेशानी तथा हृदय सम्बंधी रोग से ग्रसित हो जाएं। आपकी शराब पीने की आदत एवं अतिरिक्त भोजन करने की आदतों को त्यागना वृद्धावस्था के लिए सहायक एवं अनुकूल होगा।

आपके लिए रंग लाल, हरा एवं नारंगी रंग के वस्त्रों का उपयोग अनुकूल है। रंग काला एवं सफेद रंगों का परित्याग करना श्रेयष्कर है।

आपके अनुकूल अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।